# वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर

## निःशुल्क कोचिंग

## प्रेरणा

## स्थापना: 4 फरवरी 2014

24वें दीक्षांत समारोह (16 फरवरी, 2021) के अवसर पर निःशुल्क कोचिंग प्रेरणा में अपनी सेवा दे रहे छात्रों को सम्मानित करते हुये माननीय कुलाधिपति एवं विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रो० निर्मला एस० मौर्य

# हमारी प्रेरणा स्रोत

## माननीय आनंदीबेन पटेल

श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति
उ०प्र० राज्य विश्वविद्यालय

**24वें दीक्षांत समारोह (16 फरवरी, 2021) के अवसर पर निःशुल्क कोचिंग प्रेरणा में सेवा दे रहे छात्रों को सम्मानित करते हुये माननीय कुलाधिपति एवं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० निर्मला एस० मौर्य**

# हमारे संरक्षक

## श्री योगी आदित्यनाथ

### माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

### वर्ष 2022-23 में प्रेरणा में शिक्षण सेवा देने वाले छात्र/छात्राओं की सूची

| S.No. | Name | Course/Degree | Year |
|---|---|---|---|
| 1 | Amarjeet Kumar Dhivar | B. Tech (ECE) | 4 Year |
| 2 | Abhishek Tiwari | B. Tech (ECE) | 4 Year |
| 3 | Amar Singh Yadav | B. Tech (ECE) | 4 Year |
| 4 | Anshu Yadav | B. Tech (ECE) | 4 Year |
| 5 | Kaushlendra Dubey | B. Tech (ECE) | 3 Year |
| 6 | Sayed Azmat Hussain | B. Tech (M.E) | 3 Year |
| 7 | Afjal Ali | B. Tech(1. T) | 3 Year |
| 8 | Kaushal Pratap Singh | B. Tech (M.E) | 3 Year |
| 9 | Nadeem Ahmad | B. Tech (IT) | 3 Year |
| 10 | Abasar Ahmad | B. Tech (C.S) | 3 Year |
| 11 | Ayush Yadav | B. Tech (IT) | 3 Year |
| 12 | Akshay kumar Mishra | B. Tech (EE) | 3 Year |
| 13 | Shailendra Pratap Singh | B. Tech (C.S) | 3 Year |
| 14 | Shashi Prakash Chauhan | B. Tech (C.S) | 3 Year |
| 15 | Swarnim Mishra | B. Tech (ECE) | 3 Year |
| 16 | Ankita Maurya | M.Sc. (Biotech) | 2 Year |
| 17 | Shilpa Kumari Yadav | M.Sc. (Biotech) | 2 Year |
| 18 | Himani Giri | M.Sc. (Biotech) | 2 Year |

# चित्र-संग्रह

**प्रेरणा में बाल दिवस आयोजन 14 नवम्बर 2022 के नवसर पर आशीर्वचन देते हुए मा० कुलपति**

**बाल दिवस आयोजन 14 नवम्बर 2022 के अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं शिक्षकों द्वारा उत्साह-वर्धन**

**जनता जनार्दन इंटर कॉलेज में  प्रेरणा के बारे में छात्र-छात्राओं को बताते हुए**

**24 वें दीक्षांत समारोह (16 फरवरी, 2021) के अवसर पर कुलपति आवास पर प्रेरणा कोचिंग में सहयोग प्रदान कर रहे छात्रों का अभिवादन स्वीकार करते हुए  मा० कुलाधिपति**

**गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रेरणा कोचिंग में ग्रामीण बच्चों को संबोधित करते विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी**

देवकली गांव के आस-पास के ग्रामीण अभिभावकों को देवकली के पंचायत भवन में प्रेरणा के बारे में अवगत कराते डॉ0 इंद्रेश गंगवार एवं कोचिंग के संयोजक डॉ0 राज कुमार

सांस्कृतिक कार्यक्रम के अवसर पर प्रेरणा कोचिंग में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के साथ समूह चित्र

**प्रेरणा के वार्षिक उत्सव समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने वाले छात्रों का उत्साहवर्धन करते पूर्व कुलपति प्रो0 राजाराम यादव**

प्रेरणा कोचिंग में अध्ययनरत  छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं में  प्रतिभाग कराते हुए

सांस्कृतिक कार्यक्रम के उपरांत प्रेरणा कोचिंग में अध्यापन कार्य कर रहे छात्र-छात्राओं एवं प्रेरणा कोचिंग के संयोजक डॉ० राज कुमार के साथ समूह चित्र

# प्रेरणा

## ( वंचितों को निःशुल्क शिक्षा का एक प्रयास )

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के विद्यार्थियों द्वारा ग्राम देवकली, जौनपुर में पूर्णतया निःशुल्क शिक्षण कक्षाएँ "प्रेरणा" चलाई जा रही हैं। इन कक्षाओं से विश्वविद्यालय परिसर के आस–पास के गाँव देवकली, भटानी और जासोपुर के लगभग 150 छात्र एवं छात्राएं लाभान्वित हो रहे हैं। इन कक्षाओं में एलकेजी से कक्षा 12 तक के बच्चों को पढ़ाया जाता है। इन कक्षाओं की शुरुआत इंजीनियरिंग संस्थान के शिक्षक डॉ. संतोष कुमार एवं डॉ. अमरेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग चतुर्थ वर्ष के छात्र विशाल सिंह के नेतृत्व में दिनांक 4 फरवरी, 2014 को हुई थी। जिसमें इंजीनियरिंग के 10 बच्चों ने गाँव के 30 छात्रों को पढ़ाना प्रारंभ किया। गत तीन वर्षों की प्रेरणा कक्षाओं के संचालन के उपरांत बच्चों के ज्ञान का स्तर काफी बढ़ा है और आसपास के गाँव में बच्चों के अभिभावक भी विश्वविद्यालय के छात्रों के इस प्रयास से काफी खुश हैं। आज इन कक्षाओं में बच्चे सेंट्रल हिन्दू स्कूल, वाराणसी की प्रवेश परीक्षा हेतु भी निःशुल्क तैयारी कर रहे हैं। वर्तमान सत्र का संचालन इंजीनियरिंग के चतुर्थ वर्ष के छात्र आशुतोष चौधरी, विशाल मणि पासवान, अंकित सिंह, ज्ञानचंद्र सिंह, अमित कुमार यादव, संदीप कुमार, विभूति नारायण एवं अमित यादव समेत 27 छात्रों के कठिन परिश्रम एवं डॉ. राजकुमार की देख–रेख में चल रहा है। समय–समय पर बच्चों के चहुँमुखी विकास के लिए प्रेरणा में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती है और बच्चों को पुरस्कृत भी किया जाता है।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रेरणा कक्षाओं के माध्यम से जहां एक तरफ वंचित बच्चों को निःशुल्क शिक्षा जा रही है वहीं ही उनके व्यक्तित्व विकास के लिए भी पाठ्यक्रम से इतर प्रयास किये जा रहे हैं। प्रेरणा कक्षा के विद्यार्थियों को समय–समय पर विश्वविद्यालय का भ्रमण भी कराया जाता है जिससे उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिल सकें।

प्रेरणा कोचिंग के बारे में विश्वविद्यालय की वार्षिक पत्रिका गतिमान में प्रकाशित अभिलेख की छाया प्रति

# सन्देश

आधुनिक समाज आज अपने हितों तक सिमट कर रह गया है | इस सामाजिक बुराई को दूर करने के उद्देश्य से नई शिक्षा नीति के मूल में यह निहित है कि समस्त विश्वविद्यालय अपना नैतिक कर्तव्य निर्धारित करें कि वह केवल समाज में शिक्षा का केंद्र ही नहीं बनेगा अपितु शिक्षा प्राप्त करने वाले सभी छात्र-छात्राओं में समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी तथा नैतिक कर्तव्यों के निर्वहन को बखूबी समझने योग्य बनायेगा | यदि कोरोना काल को छोड़ दिया जाए तो विगत 8 वर्षों से नि:शुल्क कोचिंग **प्रेरणा** में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं अपनी सेवाएं पूर्वान्चल विश्वविद्यालय के आस-पास के इन ग्रामीण गरीब बच्चों को पढ़ा कर सामाजिक जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन कर रहे हैं | यह कोचिंग उन सभी बच्चों के लिए एक वरदान है जो आज की महंगी शिक्षा से वंचित है | इन छात्र-छात्राओं ने नि:शुल्क ज्ञान की अलख जलाते हुए एक मिशाल कायम की है तथा विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है | विश्वविद्यालय के शिक्षक भी बधाई के पात्र हैं जिन्होंने इन छात्र-छात्राओं को समाज सेवा के लिए केबल प्रेरित ही नहीं किया अपितु उनको इस योग्य बनाया है |

मैं समस्त विश्वविद्यालय परिवार की ओर से इन बच्चों को शुभकामनाएं प्रदान करती हूँ तथा जीवन में नियत आगे बढ़ते रहने के लिए उनको आशीर्वाद देती हूं |

**प्रो० निर्मला एस० मौर्य**

**कुलपति**

# "**प्रेरणा**" नि:शुल्क कोचिंग

## संक्षिप्त विवरण

नि:शुल्क कोचिंग प्रेरणा का आविर्भाव दिनांक 4 फरवरी 2014 को हुआ था | इस कोचिंग का उद्देश्य पूर्वान्चल विश्वविद्यालय के पड़ोसी गाँव देवकली के बच्चों को नि:शुल्क कोचिंग प्रदान करते हुए उनकी प्रतिभा को निखारना है | कोचिंग पूर्वान्चल विश्वविद्यालय के आस-पास के उन सभी ग्रामीण बच्चों के लिए वरदान है जो आज की महंगी शिक्षा से वंचित है | इस कोचिंग की शुरुआत दिनांक 4 फरवरी 2014 को राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम में जब विश्वविद्यालय की इंजीनियरिंग संकाय की राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के छात्र/ छात्राएं अपने विशेष शिविर के दौरान पूर्वान्चल विश्वविद्यालय के पडौसी गाँव देवकली एवं भटानी में भारत सरकार के साक्षरता मिशन के प्रचार एवं प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जागरुकता रैली निकाल रहे थे | उसी दौरान इन छात्रों /छात्राओं द्वारा देवकली गाँव में कुछ बच्चों को कांच की गोलियों से खेलते देखा गया | उनसे पूछे जाने पर कि वे पढ़ते क्यों नहीं है तो वे बतातें हैं कि न तो उन्हें कोई पढ़ाने वाला है और न ही कोचिंग के लिए उनके पास पैसा है | ठीक अगले दिन से इंजीनियरिंग संकाय के शिक्षकों एवं छात्रों की उपरोक्त टीम द्वारा "**प्रेरणा**" नाम की नि:शुल्क कोचिंग प्राम्भ कर दी गयी | देवकली गाँव के इस पंचायत भवन में कोचिंग की शुरुआत की गई | इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ० संतोष कुमार तथा इंजीनियरिंग संकाय के पूर्व संकायाध्यक्ष, डॉ० अशोक कुमार श्रीवास्तव एवं डॉ० राज कुमार के निर्देशन में छात्र विशाल सिंह एवं अभिनव नागर की टीम द्वारा इस कोचिंग के प्रारंभ करने की जिम्मेदारी ली |

प्रतिदिन शाम को 4.30 बजे से 6.00 बजे तक इंजीनियरिंग, प्रो० रज्जू भईया संस्थान एवं फार्मेसी संकाय के छात्र/ छात्राएं पूर्वान्चल विश्वविद्यालय के पास देवकली गाँव के पंचायत भवन में "**प्रेरणा**" नाम की नि:शुल्क कोचिंग के लिए अपने कीमती समय में से कुछ समय निकालकर न केवल गरीब एवं जरुरत मंद बल्कि समाज के हर वर्ग के बच्चों की प्रतिभा निखारने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहें हैं | प्रारंभ में प्रेरणा कोचिंग 30 की संख्या से शुरू हुई थी | **वर्ष 2015 में पंजीकृत बच्चों की संख्या 150, वर्ष 2016 में 225, वर्ष 2017 में 243, वर्ष 2018 में 220, वर्ष 2019 में 208, वर्ष 2020 में 225, वर्ष 2020-21 में कोरोना महामारी के कारण सत्र शून्य करना पड़ा, वर्ष 2020-21 में 148 तथा वर्तमान वर्ष में इस नि:शुल्क कोचिंग से 138 बच्चे**

**लाभान्वित हो रहे हैं | शुरुआत में पढ़ाने वाले शिक्षकों (इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संकाय के छात्र/ छात्राएं) की संख्या 8 थी जो वर्तमान वर्ष में 18 है | अभी तक इस कोचिंग से 1557 बच्चे लाभान्वित हुए हैं |**

**सार्थकता**: आज आधुनिकता के इस दौर में विश्वविद्यालय परिसर के छात्र/ छात्राओं द्वारा निःशुल्क कोचिंग दिया जाना वास्तव में समाज सेवा की एक अनूठी पहल है| विश्वविद्यालय का यह नैतिक उत्तरदायित्व बनता है कि वह जिस क्षेत्र विशेष में अवस्थित है उस क्षेत्र का विकास उसके द्वारा किया जाना चाहिए | इस उद्देश्य की सार्थकता को विगत 8 वर्षों से इस निःशुल्क कोचिंग द्वारा सिद्ध किया जा रहा है|

प्रेरणा कोचिंग के समन्वयक डा० राज कुमार, विभागाध्यक्ष, गणित विभाग हैं।

## विगत दो शैक्षणिक वर्षो में प्रेरणा में पंजीकृत हुए छात्र/छात्राओं की संख्या का विवरण

| Class | 2022-23 | 2021-22 |
|---|---|---|
| LKG-UKG | 0 | 26 |
| Class 1 | 21 | 12 |
| Class 2 | 7 | 13 |
| Class 3 | 22 | 10 |
| Class 4 | 10 | 14 |
| Class 5 | 25 | 9 |
| Class 6 | 7 | 31 |
| Class 7 | 18 | 9 |
| Class 8 | 9 | 3 |
| Class 9 | 7 | 5 |
| Class 10 | 6 | 9 |
| Class 11 | 6 | 4 |
| Class 12 | 0 | 3 |
| **योग** | **138** | **148** |

जनसंदेश टाइम्स

वाराणसी, बुधवार, 27 अप्रैल, 2022

# विद्यार्थी होते हैं गुरु का गौरव : प्रो. निर्मला एस. मौर्य

**संबोधन**

**प्रेरणा कोचिंग में शिक्षा देने वाले विद्यार्थी हुए सम्मानित**

**विश्वविद्यालय से सटे गांव में 2014 से चल रही है निःशुल्क कोचिंग**

**जौनपुर।** वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में मंगलवार को विश्वविद्यालय से सटे देवकली गाँव में बच्चों को प्रेरणा निःशुल्क कोचिंग में शिक्षा देने वाले 16 विद्यार्थियों को कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

अपने संबोधन में कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि विद्यार्थी गुरु का गौरव होते है। पढ़ाई के साथ ही साथ गाँव के बच्चों के लिए इन विद्यार्थियों ने जो समय निकाला है वह प्रकाश की तरह है। उन्होंने कहा कि प्रेरणा कोचिंग के सफल संचालन के लिए हर तरह का सहयोग दिया जायेगा। गौरतलब है कि 4 फरवरी 2014 से विश्वविद्यालय से सटे देवकली गाँव में बच्चों के लिए निःशुल्क प्रेरणा कोचिंग निरंतर चल रही है। इस कोचिंग के माध्यम से अब तक 1435 विद्यार्थी लाभान्वित हो चुके है। वर्तमान समय में 1 से 12 तक की कक्षाओं के 135 विद्यार्थी शिक्षा ले रहे है। विश्वविद्यालय परिसर के विद्यार्थियों का एक समूह इन बच्चों को पढ़ाता है।

कार्यक्रम में कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि प्रेरणा कोचिंग में अपनी सेवा देने वाले विद्यार्थी आइकोन है। प्रो. मानस पाण्डेय ने कहा कि विद्यार्थियों ने परंपरा का निर्वहन किया है, आगे भी यह जारी रहेगा। परीक्षा नियंत्रक बीएन सिंह ने कहा कि समाज के हर व्यक्ति को लोक भावना के अनुरूप कार्य करना चाहिए।

सम्मानित हुए विद्यार्थियों के साथ कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य

शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. विजय सिंह ने कहा कि प्रेरणा कोचिंग से विश्वविद्यालय के उन विद्यार्थियों का व्यक्तित्व विकास हुआ है जो इससे जुड़े हुए है। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. राकेश कुमार यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों से जुड़कर गाँव के बच्चे बड़ा सपना देख रहे है। इसी क्रम में अभियांत्रिकी के प्रो. एके श्रीवास्तव ने प्रेरणा कोचिंग की विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ. रमेशमणि त्रिपाठी ने अपने महाविद्यालय में गरीब बच्चों के लिए किये जा रहे प्रयासों की चर्चा की। प्रेरणा कोचिंग के संयोजक डॉ. राजकुमार ने विद्यार्थियों द्वारा किये जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला एवं प्रगति से अवगत कराया। संचालन संतोष कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन वित्त अधिकारी संजय राय ने किया। इस अवसर पर प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. देवराज, डॉ. रजनीश भास्कर, डॉ. संजीव गंगवार, डॉ. नूपुर तिवारी, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, सहायक कुलसचिव अमृत लाल, बबीता सिंह, अन्नू त्यागी, डॉ. श्रवण, डॉ. कृष्ण कुमार यादव, डॉ. मंगल यादव, लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, विनय वर्मा, करुणा निराला, इन्द्रेश गंगवार समेत अन्य उपस्थित रहे।

**सम्मानित होने वाले विद्यार्थी**

आकाश वैभव, अमरजीत कुमार धीवर, विपिन कुमार, आयुष यादव, नदीम अहमद, रमानंद दुबे, अविनाश श्रीवास्तव, अक्षय कुमार मिश्रा, रवि विश्वकर्मा, आदर्श यादव, विकास कुमार, आकाश राजभर, विकास चौरसिया, अभिषेक तिवारी, अफजल अली, संदीप यादव।

# गांव के बच्चों को शिक्षा देना पुण्य का काम : कुलपति

- कुलपति ने रखा अम्मा कोचिंग चलाने का भी प्रस्ताव
- देवकली में आठ साल से चल रही निःशुल्क कोचिंग

भारत एकता टाइम्स/जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा संचालित देवकली पंचायत भवन में सोमवार को प्रेरणा निःशुल्क कोचिंग के बच्चों ने बाल दिवस सम्मरोह मनाया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. सौर्य ने कहा कि बच्चों की जीवन की कठिनाइयों को दूरकर प्रेरणा कोचिंग आगे बढ़ाने का काम कर रही है, यह पुण्य का काम है। विश्वविद्यालय इन बच्चों की पढ़ाई में कोई बाधा नहीं आने देगी। उन्होंने अम्मा कोचिंग चलाने का प्रस्ताव रखा। कहा कि अगर अम्मा पढ़ेगी पूरा परिवार शिक्षित होगा। गौरतलब है कि 4 फरवरी 2014 में विश्वविद्यालय से सटे देवकली गाँव में बच्चों के लिए निःशुल्क प्रेरणा कोचिंग निरंतर चल रही है। इस कोचिंग के माध्यम से अब तक 1435 विद्यार्थी लाभान्वित हो चुके है. वर्तमान समय में 1 से 12 तक की कक्षाओं के 135 विद्यार्थी शिक्षा ले रहे है. विश्वविद्यालय परिसर के विद्यार्थियों का एक समूह इन बच्चों को पढ़ाता है। कार्यक्रम में कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि प्रेरणा कोचिंग में अपनी सेवा देने वाले विद्यार्थी आइकोन है। विद्यार्थियों ने परंपरा का निर्वहन किया है, आगे भी यह जारी रहेगा। वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कहा कि समाज के हर व्यक्ति को लोक भावना के अनुरूप कार्य करना चाहिए। देश के विकास का रास्ता गाँव से ही होकर जाता है। विशिष्ट अतिथि छात्र

अधिष्ठाता प्रो. अजय द्विवेदी ने कहा कि प्रेरणा कोचिंग से विश्वविद्यालय के उन विद्यार्थियों का व्यक्तित्व विकास हुआ है जो इससे जुड़े हुए है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों से जुड़कर गाँव के बच्चे बड़ा सपना देख रहे है। प्रेरणा कोचिंग के संयोजक डॉ. राजकुमार ने विद्यार्थियों द्वारा किये जा रहे प्रयासों पर विस्तार से प्रकाश डाला। संचालन शैलेंद्र प्रताप सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन मीडिया प्रभारी डा. सुनील कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो.रजनीश भास्कर, डॉ. सतीश कुमार, डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, डॉ. मंगला प्रसाद यादव, डॉ लक्ष्मी प्रसाद सौर्य, इन्द्रेश पंगवार, सच्चिदानन्द मिश्र समेत अन्य उपस्थित रहे।

जौनपुर व इलाहाबाद (प्रयागराज) से प्रकाशित एवं दिल्ली व लखनऊ से संचालित

तेजस टूडे

मुख्य संस्करण (जौनपुर) राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक नजर सब पर...

वर्ष 13, अंक 326, मंगलवार, 15 नवम्बर 2022 | www.tejastoday.com | भारत व राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त | /tejas.pariwar | /tejaspariwar | पृष्ठ 8, मूल्य 2 रुपये

# गांव के बच्चों को शिक्षा देना पुण्य का काम: कुलपति

## कुलपति ने अम्मा कोचिंग चलाने का रखा प्रस्ताव

### देवकली में 8 साल से चल रही निःशुल्क कोचिंग

तेजस टूडे ब्यूरो
अजय विश्वकर्मा

**सिद्दीकपुर, जौनपुर।** वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा संचालित देवकली पंचायत भवन में सोमवार को प्रेरणा निःशुल्क कोचिंग के बच्चों ने वाल दिवस समारोह मनाया। इस मौके पर कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि बच्चों की जीवन की कठिनाइयों को दूरकर प्रेरणा कोचिंग आगे बढ़ाने का काम कर रही है, यह पुण्य का काम है। विवि इन बच्चों की पढ़ाई में कोई बाधा नहीं आने देगी। उन्होंने अम्मा कोचिंग चलाने का प्रस्ताव रखा। अगर अम्मा पढ़ेगी पूरा परिवार शिक्षित होगा।

गौरतलब है कि 4 फरवरी 2014 से विश्वविद्यालय से सटे देवकली गाँव में बच्चों के लिए निःशुल्क प्रेरणा कोचिंग निरंतर चल रही है। इस कोचिंग के माध्यम से अब तक 1435 विद्यार्थी लाभान्वित हो चुके है। वर्तमान में 1 से 12 तक की कक्षाओं के 135 विद्यार्थी शिक्षा ले रहे है। विश्वविद्यालय परिसर के विद्यार्थियों का एक समूह इन बच्चों को पढ़ाता है। कार्यक्रम में कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि प्रेरणा कोचिंग में अपनी सेवा देने वाले विद्यार्थी आइकोन है। विद्यार्थियों ने परंपरा का निर्वहन किया है, आगे भी यह जारी रहेगा।

वित्त अधिकारी संजय राय ने कहा कि समाज के हर व्यक्ति को लोक भावना के अनुरूप कार्य करना चाहिए। देश के विकास का रास्ता गांव से ही होकर जाता है। विशिष्ट अतिथि छात्र अधिष्ठाता प्रो. अजय द्विवेदी ने कहा कि प्रेरणा कोचिंग से विवि के उन विद्यार्थियों का व्यक्तित्व विकास हुआ है जो इससे जुड़े हुए है। विवि के विद्यार्थियों से जुड़कर गाँव के बच्चे बड़ा सपना देख रहे है। प्रेरणा कोचिंग के संयोजक डॉ. राजकुमार ने विद्यार्थियों द्वारा किये जा रहे प्रयासों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

संचालन शैलेंद्र प्रताप सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन मीडिया प्रभारी डा. सुनील कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो. अशोक श्रीवास्तव, प्रो. रजनीश भास्कर, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. मंगला प्रसाद यादव, डॉ लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, इन्द्रेश गंगवार, सच्चिदानन्द मिश्र समेत अन्य उपस्थित रहे।

# नौनिहालों ने चाचा नेहरु को किया याद

## स्कूलों में धूमधाम से मनाया गया बाल दिवस, खेलकूद प्रतियोगिताएं और गोष्ठियां हुईं

संवाद न्यूज एजेंसी

**जौनपुर।** देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती सोमवार को बाल दिवस के रूप में मनाई गई। गोष्ठियों में उनके व्यक्तित्व कृतित्व की चर्चा की गई। नौनिहालों ने अपने चाचा नेहरू को याद किया। स्कूलों में सांस्कृतिक कार्यक्रम और खेलकूद प्रतियोगिताएं हुईं। टाफियां और खिलौनों का वितरण किया गया।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में कुलपति प्रो. निर्मला एस मौर्य ने किडजी प्ले स्कूल के बच्चों में पुष्प, टिफिन बॉक्स चॉकलेट बांटा बच्चों ने गीतऔर नृत्य की प्रस्तुति की। कुलपति ने कहा कि पं नेहरू को बच्चों से बहुत लगाव था और बच्चे उनको चाचा कहते थे। कुलसचिव महेंद्र कुमार, डॉ जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ मनोज पांडेय, बबीता सिंह, प्रो. देवराज सिंह, डॉ. मनोज मिश्र, डॉ. सुनील कुमार, डॉ लक्ष्मी मौर्या आदि मौजूद रहीं।

करंजाकला क्षेत्र के सेंट जॉन्स स्कूल सिद्दीकपुर में प्रधानाचार्य फादर पी विक्टर ने दीप जलाकर बाल दिवस कार्यक्रम की शुरुआत की। दीप्ती कश्यप के नेतृत्व में शिक्षिकाओं गीत गाए। बिरजू की शिक्षा एकांकी का मंचन किया गया। शोभा सेवेस्टियन एवं सिस्टर सांवरी ने संचालन किया। सुरेरी क्षेत्र के भानपुर गांव स्थित न्यू लाइफ विद्यालय में प्रबंधक आईडी रंजन की देखरेख में बाल दिवस मनाया गया। मछलीशहर के फौजदार इंटर कालेज में बच्चों और शिक्षकों ने केक काटा। लायल वंडर स्कूल में फूड फेस्टिवल का शुभारंभ विधायक रागिनी सोनकर और पंकज कुमार पटेल ने किया।

बक्शा क्षेत्र में विकास खंड के बबुरा के परिषदीय विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। ब्लॉक प्रमुख मनोज यादव ने बच्चों को पुरस्कृत किया। जूनियर हाईस्कूल बक्सा में प्रभारी प्रधानध्यापक वीरसेन यादव व बच्चों ने केक कटा। सुजानगंज के जेपी इंटरनेशनल स्कूल में बाल मेले के आयोजन किया गया। एमएलसी बृजेश सिंह प्रिंसू व डॉ जयप्रकाश त्रिपाठी ने छात्र- छात्राओं को पुरस्कृत किया। एपेक्स एकेडमी में पौधारोपण किया किया गया। प्रबंधक विवेक मौर्य ने छात्रों को पुरस्कृत किया। धर्मापुर ब्लाक के राजेपुर बनरहियाबाग के तिलकधारी मेमोरियल कालेज में बाल मेले का उद्घाटन पूर्व प्रधान संतोष सिंह ने किया। प्रधानाचार्य अर्चना सिंह, संस्थापक कैप्टन इंद्रजीत सिंह ने चाचा नेहरू के जीवन पर प्रकाश डाला।

बदलापुर के परिषदीय विद्यालयों के सल्तनत बहादुर पीजी कालेज, श्री बजरंग इंटर कालेज घनश्यामपुर, श्री गणेशराम इंटर कालेज बटाऊबीर, शारदा देवी महाविद्यालय कड़ेरेपुर, संग्राम बालिका इंटर कालेज, उमा बैजंती पब्लिक स्कूल शाहपुर में गोष्ठियों का आयोजन किया गया। हरिहर सिंह पब्लिक स्कूल में प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रबंधक डा. ओपी सिंह व प्रधानाचार्य डा. वंदना सिंह ने किया। कमला नेहरू इंटर कालेज आदमपुर में कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष माया टंडन ने किया। प्रबंधक डा. श्रद्धा सिंह उनका स्वागत किया।

शाहगंज के उसरहटा के अब्दुल अजीज अंसारी डिग्री कॉलेज के प्राचार्य एनपी उपाध्याय की देखरेख में निबंध प्रतियोगिता हुई। प्रबंधक कहकशां खां ने विचार व्यक्त किया। लेखपाल संघ ने पुरुष अस्पताल में फल वितरण किया। उपजिलाधिकारी अंकित कुमार भी साथ रहे। निगोह क्षेत्र के बरसठी मां विंध्यवासिनी धर्मार्थ चैरिटेबल ट्रस्ट ने खुआवां प्राथमिक विद्यालय व सोतीपुर के प्राथमिक विद्यालय ने कापी, कलम व बैग बांटा। राजाबाजार क्षेत्र के दुगौली स्थित चिल्ड्रेन स्कूल ऑफ आर्ट में प्रबंधक प्रदीप सिंह के नेतृत्व में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

फौजदार इंटर कालेज में केक काटकर बाल दिवस मनाते बच्चे। संवाद

### बाल दिवस पर हुई प्रतियोगिता

**जौनपुर।** रोट्रैक्ट क्लब जौनपुर की ओर से सोमवार को लोहिया पार्क में बाल मेला का आयोजन किया गया। इसमें संगीत, नृत्य, वाद विवाद, पेंटिंग, क्विज खेल आदि का आयोजन किया गया। एसएस पब्लिक स्कूल सिद्दीकपुर में मुख्य अतिथि डॉ. मधुलिका सिंह ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रबंधक विश्वतोष नारायण सिंह, निदेशक डॉ. नम्रता सिंह, आलोक यादव और विद्यालय के प्रधानाचार्य सीमा सिंह उपस्थित थीं। सेंट मैरी कान्वेंट स्कूल पुरानी बाजार में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता हुई और खेल मेला लगा। मेले का उद्घाटन टीडी डिग्री कॉलेज की प्रवक्ता डॉ चित्रलेखा सिंह ने किया। चंद्रशेखर, शाहनवाज, प्रबंधक दिनेश गुप्ता, विनय श्रीवास्तव मौजूद रहे।

जिला कार्यालय पर पंडित नेहरु को नमन करते कांग्रेस कार्यकर्ता। संवाद

## अम्मा पढ़ेगी तभी शिक्षित होगा परिवार

### कुलपति ने रखा अम्मा कोचिंग चलाने का प्रस्ताव

संवाद न्यूज एजेंसी

**जौनपुर।** वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा देवकली पंचायत भवन में संचालित प्रेरणा निःशुल्क कोचिंग के बच्चों ने बाल दिवस समारोह मनाया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस मौर्य ने कहा कि बच्चों की जीवन की कठिनाइयों को दूरकर प्रेरणा कोचिंग आगे बढ़ाने का काम कर रही है, यह पुण्य का काम है। विश्वविद्यालय इन बच्चों की पढ़ाई में कोई बाधा नहीं आने देगी। उन्होंने अम्मा कोचिंग चलाने का प्रस्ताव रखा। कहा कि अगर अम्मा पढ़ेगी पूरा परिवार शिक्षित होगा।

चार फ़रवरी 2014 से विश्वविद्यालय से सटे देवकली गांव में बच्चों के लिए निःशुल्क प्रेरणा कोचिंग निरंतर चल रही है। इस कोचिंग के माध्यम से अब तक 1435 विद्यार्थी लाभान्वित हो चुके हैं। वर्तमान समय में 1 से 12 तक की कक्षाओं के 135 विद्यार्थी शिक्षा ले रहे हैं। विश्वविद्यालय परिसर के विद्यार्थियों का एक समूह इन बच्चों को पढ़ाता है। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि प्रेरणा कोचिंग में अपनी सेवा देने वाले विद्यार्थी आइकॉन है। विद्यार्थियों ने परंपरा का निर्वहन किया है, आगे भी यह जारी रहेगा।

वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कहा कि समाज के हर व्यक्ति को लोक भावना के अनुरूप कार्य करना चाहिए। देश के विकास का रास्ता गांव से ही होकर जाता है। विशिष्ट अतिथि छात्र अधिष्ठाता प्रो. अजय द्विवेदी ने कहा कि प्रेरणा कोचिंग से विश्वविद्यालय के उन विद्यार्थियों का व्यक्तित्व विकास हुआ है, जो इससे जुड़े हुए है।

संयोजक डॉ. राजकुमार ने विद्यार्थियों द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर विस्तार से प्रकाश डाला। संचालन शैलेंद्र प्रताप सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन मीडिया प्रभारी डा. सुनील कुमार ने किया।

महराजगंज के दुगौली स्थित चिल्ड्रेन स्कूल आफ आर्ट में बाल दिवस के मौके पर नृत्य करते बच्चे। संवाद

# 'प्रेरणा' नि:शुल्क कोचिंग ने जलाई ज्ञान की अलख

## विश्वविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी मिलकर चला रहे हैं कोचिंग

दैनिक जागरण

जौनपुर। ज्ञान और शिक्षा पैसे की मोहताज नहीं हुआ करती। जी हां। यह बात शत प्रतिशत सही है। अगर आपको विश्वास नहीं हो तो हम जौनपुर के सराय ख्वाजा थाने के देवकली गांव में इसे हकीकत में दिखा सकते हैं। इस कोचिंग को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थियों द्वारा अंजाम दिया गया। इसकी पहल विश्वविद्यालय के गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ राजकुमार के नेतृत्व में की जा रही है।

आज आधुनिकता के दौर में समाज अपने व्यक्तिगत हितों तक सिमट कर रह गया है। इस बुराई को समाप्त करने के उद्देश्य से नई शिक्षा नीति की मूल भावना में भी यह निहित है कि शैक्षणिक संस्थान अपना सामाजिक उत्तरदायित्व निर्धारित करें। विश्वविद्यालय जिस क्षेत्र विशेष में अवस्थित है उस क्षेत्र का विकास उसके द्वारा किया जाना चाहिए। पहले से ही पूर्वान्चल विश्वविद्यालय ने इस परम्परा का निर्वहन किया है। यदि कोरोना काल को छोड़ दिया जाए तो विगत 8 वर्षों से नि:शुल्क कोचिंग प्रेरणा के माध्यम से वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इस नि:शुल्क कोचिंग का आविर्भाव 4 फरवरी 2014 को हुआ था। कोचिंग पूर्वान्चल विश्वविद्यालय के आस-पास के उन सभी ग्रामीण बच्चों के लिए वरदान है जो आज की महंगी शिक्षा से वंचित है। इस कोचिंग की शुरूआत 4 फरवरी 2014 को राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम द्वारा उस समय हुई जब विश्वविद्यालय की इंजीनियरिंग संकाय की राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र/ छात्राएं अपने विशेष शिविर के दौरान पूर्वान्चल विश्वविद्यालय के पड़ोसी गांव देवकली एवं भटनी में भारत सरकार के साक्षरता मिशन के प्रचार एवं प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जागरूकता रैली निकाल रहे थे। उसी दौरान इन छात्रों /छात्राओं द्वारा देवकली गांव में कुछ बच्चों को कांच की गोलियों से खेलते देखा गया। उनसे पूछे जाने पर कि वे पढ़ते क्यों नहीं है? तो वे बताते हैं कि न तो उन्हें कोई पढ़ाने वाला है और न ही कोचिंग के लिए उनके पास पैसा है। ठीक अगले दिन से इंजीनियरिंग संकाय के छात्रों की टीम द्वारा ह्वेरणाह्व नाम की निःशुल्क कोचिंग प्रारम्भ कर दी गयी। देवकली गांव के इस पंचायत भवन में कोचिंग की शुरूआत की गई। इन छात्र-छात्राओं ने निःशुल्क ज्ञान की अलख जलाते हुए एक मिसाल कायम की है तथा विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। प्रतिदिन शाम को 4.30 बजे से 6.00 बजे तक इंजीनियरिंग संकाय, विज्ञान संकाय, प्रो.रज्जू भैया संस्थान एवं फार्मेसी संकाय के छात्र/ छात्राएं पूर्वान्चल विश्वविद्यालय के पास देवकली गाँव के पंचायत भवन में ह्वेरणाह्व नाम की निःशुल्क कोचिंग के लिए अपने कीमती समय में से कुछ समय निकालकर न केवल गरीब एवं जरुरतमंदों बल्कि समाज के हर वर्ग के बच्चों की प्रतिभा निखारने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहें हैं। प्रारंभ में कोचिंग 30 की संख्या से शुरू हुई थी। वर्ष 2015 में पंजीकृत बच्चों की संख्या 150, वर्ष 2016 में 225, वर्ष 2017 में 243, वर्ष 2018 में 220, वर्ष 2019 में 208, वर्ष 2020 में 225, वर्ष 2020-21 में कोरोना महामारी के कारण सत्र शून्य करना पड़ा, वर्ष 2020-21 में 148 तथा वर्तमान वर्ष में इस नि:शुल्क कोचिंग से 138 बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं। शुरूआत में पढ़ाने वाले शिक्षकों (इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संकाय के छात्र/ छात्राएं) की संख्या आठ थी जो वर्तमान वर्ष में 18 है। अभी तक इस कोचिंग से 1557 बच्चे लाभान्वित हुए है। वर्तमान सत्र में शिक्षण कार्य कर रहे छात्र एवं छात्राएं हैं अमरजीत, अभिषेक, अमर, अंशु, कौशलेन्द्र, अजमत, अफजल, कौशल, नदीम, अबसर, आयुष, अक्षय, स्वर्णिम, अंकिता, शिल्पा और हिमानी हैं। कोचिंग के समन्वयक डा० राज कुमार, विभागाध्यक्ष, गणित विभाग हैं। विश्वविद्यालय के शिक्षक भी बधाई के पात्र हैं जिन्होंने इन छात्र-छात्राओं को समाज सेवा के लिए केवल प्रेरित ही नहीं किया अपितु इन छात्र/ छात्राओं को इस योग्य बनाया।

# 'प्रेरणा' नि:शुल्क कोचिंग ने जलाई ज्ञान की अलख


सराहनीय

- 'प्रेरणा' नि:शुल्क कोचिंग ने जलाई ज्ञान की अलख


ज्ञान और शिक्षा पैसे की मोहताज नहीं हुआ करती। जी हां। यह बात शत प्रतिशत सही है। अगर आपको विश्वास नहीं हो तो हम जौनपुर के सराय ख्वाजा थाने के देवकली गांव में इसे हकीकत में दिखा सकते हैं। इस कोचिंग को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थियों द्वारा अंजाम दिया गया। इसकी पहल विश्वविद्यालय के गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ राजकुमार के नेतृत्व में की जा रही है। आज आधुनिकता के दौर में समाज अपने व्यक्तिगत हितों तक सिमट कर रह गया है` इस बुराई को समाप्त करने के उद्देश्य से नई शिक्षा नीति की मूल भावना में भी यह निहित है कि शैक्षणिक संस्थान अपना सामाजिक उत्तरदायित्व निर्धारित करें` विश्वविद्यालय जिस क्षेत्र विशेष में अवस्थित है उस क्षेत्र का विकास उसके द्वारा किया जाना चाहिए` पहले से ही पूर्वान्चल विश्वविद्यालय ने इस परम्परा का निर्वहन किया है` यदि कोरोना काल को छोड़ दिया जाए तो विगत 8 वर्षों से नि:शुल्क कोचिंग प्रेरणा के माध्यम से वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं अपनी सेवाएं दे रहे हैं` इस नि:शुल्क कोचिंग का आविर्भाव 4 फरवरी 2014 को हुआ था` कोचिंग पूर्वान्चल विश्वविद्यालय के आस-पास के उन सभी ग्रामीण बच्चों के लिए वरदान है जो आज की महंगी शिक्षा से वंचित है` इस कोचिंग की शुरूआत 4 फरवरी 2014 को राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम द्वारा उस समय हुई जब विश्वविद्यालय की इंजीनियरिंग संकाय की राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र/ छात्राएं अपने विशेष शिविर के दौरान पूर्वान्चल विश्वविद्यालय के पड़ोसी गाँव देवकली एवं भटनी में भारत सरकार के साक्षरता मिशन के प्रचार एवं प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जागरूकता रैली निकाल रहे थे` उसी दौरान इन छात्रों /छात्राओं द्वारा देवकली गाँव में कुछ बच्चों को कांच की गोलियों से खेलते देखा गया` उनसे पूछे जाने पर कि वे पढ़ते क्यों नहीं है? तो वे बताते हैं कि न तो उन्हें कोई पढ़ाने वाला है और न ही कोचिंग के लिए उनके पास पैसा है। ठीक अगले दिन से इंजीनियरिंग संकाय के छात्रों की टीम द्वारा ह्वेरणाह्व नाम की निःशुल्क कोचिंग प्रारम्भ कर दी गयी` देवकली गाँव के इस पंचायत भवन में कोचिंग की शुरूआत की गई`। इन छात्र-छात्राओं ने निःशुल्क ज्ञान की अलख जलाते हुए एक मिसाल कायम की है तथा विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। प्रतिदिन शाम को 4.30 बजे से 6.00 बजे तक इंजीनियरिंग संकाय, विज्ञान संकाय, प्रो.रज्जू भैया संस्थान एवं फार्मेसी संकाय के छात्र/ छात्राएं पूर्वान्चल विश्वविद्यालय के पास देवकली गाँव के पंचायत भवन में ह्वेरणाह्व नाम की निःशुल्क कोचिंग के लिए अपने कीमती समय में से कुछ समय निकालकर न केवल गरीब एवं जरुरतमंदों बल्कि समाज के हर वर्ग के बच्चों की प्रतिभा निखारने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहें हैं` प्रारंभ में कोचिंग 30 की संख्या से शुरू हुई थी` वर्ष 2015 में पंजीकृत बच्चों की संख्या 150, वर्ष 2016 में 225, वर्ष 2017 में 243, वर्ष 2018 में 220, वर्ष 2019 में 208, वर्ष 2020 में 225, वर्ष 2020-21 में कोरोना महामारी के कारण सत्र शून्य करना पड़ा, वर्ष 2020-21 में 148 तथा वर्तमान वर्ष में इस नि:शुल्क कोचिंग से 138 बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं` शुरूआत में पढ़ाने वाले शिक्षकों (इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संकाय के छात्र/ छात्राएं) की संख्या आठ थी जो वर्तमान वर्ष में 18 है। अभी तक इस कोचिंग से 1557 बच्चे लाभान्वित हुए है वर्तमान सत्र में शिक्षण कार्य कर रहे छात्र एवं छात्राएं हैं अमरजीत, अभिषेक, अमर, अंशु, कौशलेन्द्र, अजमत, अफजल, कौशल, नदीम, अबसर, आयुष, अक्षय, स्वर्णिम, अंकिता, शिल्पा और हिमानी हैं` कोचिंग के समन्वयक डा० राज कुमार, विभागाध्यक्ष, गणित विभाग हैं। विश्वविद्यालय के शिक्षक भी बधाई के पात्र हैं जिन्होंने इन छात्र-छात्राओं को समाज सेवा के लिए केवल प्रेरित ही नहीं किया अपितु इन छात्र/ छात्राओं को इस योग्य बनाया।

# वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उ.प्र.

# प्रेरणा

## कोचिंग स्थापना दिवस समारोह

दिनांक : 6 फरवरी, 2023 • समय : अपराह्न 11:30 बजे

स्थान : ग्राम - देवकली पंचायत भवन, जनपद - जौनपुर

मुख्य अतिथि

**प्रो0 निर्मला एस. मौर्य**

माननीय कुलपति

विशिष्ट अतिथि -

**प्रो0 डी.डी. दूबे**
पूर्व कुलपति
वी.ब.सिं. पूर्वांचल विश्वविद्यालय

**प्रो0 बी.बी. तिवारी**
संकायाध्यक्ष, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय

**श्री संजय कुमार राय**
वित्त अधिकारी

**श्री महेन्द्र कुमार**
कुलसचिव

कार्यक्रम संयोजक :

**डॉ0 राज कुमार**
विभागाध्यक्ष, गणित विभाग

**छात्र समन्वयक**

अमरजीत, अभिषेक, अमर, अंशु, कौशलेन्द्र, अजमत, अफजल, कौशल, नदीम, अबसार, आयुष, अक्षय, स्वर्णिम, अंकिता, शिल्पा एवं हिमानी

# आगे बढ़ने के लिए बच्चे पढ़ाई पर दें ध्यानः प्रो. निर्मला एस. मौर्य

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा चलाई जा रही निशुल्क प्रेरणा कोचिंग का सोमवार को देवकली गांव में स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। बच्चों ने इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विश्वविद्यालय के कुलपति और अधिकारियों को अपने बीच पाकर बच्चे और गांव वाले काफी प्रफुल्लित थे। इस अवसर पर गणित विभाग के विभागाध्यक्ष और प्रेरणा कोचिंग के समन्वयक डॉ राजकुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रेरणा कोचिंग की प्रगति आख्या प्रस्तुत की और कोचिंग के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो डी. डी. दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय के लोगों ने अपनी प्रतिभा की साझेदारी गरीब बच्चों में करके बड़ा ही नेक कार्य किया है। प्रेरणा कोचिंग के छोटे बच्चे देश के भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि प्रेरणा कोचिंग के शिक्षकों की लगनशीलता और सतत रूप परिश्रम से निश्चित रूप से अच्छे नागरिक का निर्माण होगा। बतौर अध्यक्ष विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि जीवन में मां से बड़ा कोई नहीं होता इसलिए सबसे पहले मां की बात को माननी चाहिए। मां को भी बच्चों को पढ़ाई की ओर ध्यान केंद्रित कराना चाहिए। उन्होंने बच्चों को पढ़ाई की ओर मन केंद्रित करने के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि बच्चे समय का उपयोग कर अपना सभी समय पढ़ाई में लगाएं ताकि वह परिवार, समाज और देश के काम आ सके। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि मनुष्य में बचपन की सीख और संस्कार अंतिम तक रहते हैं, इसलिए अच्छी सीख और संस्कार को अपने जीवन में उतारें ताकि समाज और देश के निर्माण में अच्छे ढंग से भागीदारी कर सकें। स्थापना दिवस पर वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कहा कि शिक्षा का मतलब विद्यार्थियों को सभ्य और सुसंस्कृत नागरिक बनाना है। प्रेरणा कोचिंग इस क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है । इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो.बीबी तिवारी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन कर उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। संचालन कौशलेंद्र कुमार और धन्यवाद ज्ञापन डॉ मनीष कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को कुलपति, कुलसचिव और वित्त अधिकारी ने मेडल पहना कर सम्मानित किया। समारोह में अंजलि यादव, शिवानी यादव, अंशिका की प्रस्तुति को कुलपति ने सराहा। इस अवसर पर प्रो.अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. रवि प्रकाश, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, डॉ मनीष कुमार गुप्ता, डा. प्रेमचंद यादव, डॉ सुनील कुमार, डा. सुधीर कुमार उपाध्याय, सुरेंद्र कुमार सिंह, डा. इंद्रेश कुमार, मैलेश कुमार, अमरजीत कुमार, अभिषेक तिवारी, अमर सिंह, सैय्यद अजमत हुसैन आदि उपस्थित थे।

# आगे बढ़ने के लिए बच्चे पढ़ाई पर दें ध्यानः कुलपति

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा चलाई जा रही निशुल्क प्रेरणा कोचिंग का सोमवार को देवकली गांव में स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। बच्चों ने इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विश्वविद्यालय के कुलपति और अधिकारियों को अपने बीच पाकर बच्चे और गांव वाले काफी प्रफुल्लित थे। गणित विभाग के विभागाध्यक्ष और प्रेरणा कोचिंग के समन्वयक डॉ राजकुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रेरणा कोचिंग की प्रगति आख्या प्रस्तुत की और कोचिंग के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो डी. डी. दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय के लोगों ने अपनी प्रतिभा की साझेदारी गरीब बच्चों में करके बड़ा ही नेक कार्य किया है। प्रेरणा कोचिंग के छोटे बच्चे देश के भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि प्रेरणा कोचिंग के शिक्षकों की लगनशीलता और सतत रूप परिश्रम से निश्चित रूप से अच्छे नागरिक का निर्माण होगा। अध्यक्ष विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि जीवन में मां से बड़ा कोई नहीं होता इसलिए सबसे पहले मां की बात को माननी चाहिए। मां को भी बच्चों को पढ़ाई की ओर ध्यान केंद्रित कराना चाहिए। उन्होंने बच्चों को पढ़ाई की ओर मन केंद्रित करने के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि बच्चे समय का उपयोग कर अपना सभी समय पढ़ाई में लगाएं ताकि वह परिवार, समाज और देश के काम आ सके। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि मनुष्य में बचपन की सीख और संस्कार अंतिम तक रहते हैं, इसलिए अच्छी सीख और संस्कार को अपने जीवन में उतारें ताकि समाज और देश के निर्माण में अच्छे ढंग से भागीदारी कर सकें। वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कहा कि शिक्षा का मतलब विद्यार्थियों को सभ्य और सुसंस्कृत नागरिक बनाना है। इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो.बीबी तिवारी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन कर उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

# आगे बढ़ने के लिए बच्चे पढ़ाई पर दें ध्यान: प्रो. निर्मला

**सराहनीय**

- पीयू के शिक्षकों का नेक कार्य है निशुल्क कोचिंग: प्रो. डीडी दुबे
- बच्चे अच्छे संस्कार को जीवन में उतारें: कुलसचिव
- शिक्षा का मतलब सभ्य नागरिक बनाना: वित्त अधिकारी

जौनपुर । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा चलाई जा रही निशुल्क प्रेरणा कोचिंग का सोमवार को देवकली गांव में स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। बच्चों ने इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विश्वविद्यालय के कुलपति और अधिकारियों को अपने बीच पाकर बच्चे और गांव वाले काफी प्रफुल्लित थे।

इस अवसर पर गणित विभाग के विभागाध्यक्ष और प्रेरणा कोचिंग के समन्वयक डॉ राजकुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रेरणा कोचिंग की प्रगति आख्या प्रस्तुत की और कोचिंग के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो डी. डी. दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय के लोगों ने अपनी प्रतिभा को साझेदारी गरीब बच्चों में करके बड़ा ही नेक कार्य किया है। प्रेरणा कोचिंग के छोटे बच्चे देश के भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि प्रेरणा कोचिंग के शिक्षकों की लगनशीलता और सतत रूप परिश्रम से निश्चित रूप से अच्छे नागरिक का निर्माण होगा। बतौर अध्यक्ष विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि जीवन में मां से बड़ा कोई नहीं होता इसलिए सबसे पहले मां की बात को माननी चाहिए। मां को भी बच्चों को पढ़ाई की ओर ध्यान केंद्रित कराना चाहिए। उन्होंने बच्चों को पढ़ाई की ओर मन केंद्रित करने के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि बच्चे समय का उपयोग कर अपना सभी समय पढ़ाई में लगाएं ताकि वह परिवार, समाज और देश के काम आ सके। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि मनुष्य में बचपन की सीख और संस्कार अंतिम तक रहते हैं, इसलिए अच्छी सीख और संस्कार को अपने जीवन में उतारें ताकि समाज और देश के निर्माण में अच्छे ढंग से भागीदारी कर सकें। स्थापना दिवस पर वित्त अधिकारी संजय कुमार राव ने कहा कि शिक्षा का मतलब विद्यार्थियों को सभ्य और सुसंस्कृत नागरिक बनाना है। प्रेरणा कोचिंग इस क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है । इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो.बीबी तिवारी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन कर उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। संचालन कौशलेंद्र कुमार और धन्यवाद ज्ञापन डॉ मनीष कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को कुलपति, कुलसचिव और वित्त अधिकारी ने मेडल पहना कर सम्मानित किया। समारोह में अंजलि यादव, शिवानी यादव, अंशिका की प्रस्तुति को कुलपति ने सराहा। इस अवसर पर प्रो.अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. रवि प्रकाश, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, डॉ मनीष कुमार गुप्ता, डा. प्रेमचंद यादव, डॉ सुनील कुमार, डा. सुधीर कुमार उपाध्याय, सुरेंद्र कुमार सिंह, डा. इंद्रेश कुमार, मैलेश कुमार, अमरजीत कुमार, अभिषेक तिवारी, अमर सिंह, सैय्यद अजमत हुसैन आदि उपस्थित थे।

# आगे बढ़ने के लिए बच्चे पढ़ाई पर दें ध्यान: प्रो. निर्मला एस. मौर्य

- पीयू के शिक्षकों का नेक कार्य है निशुल्क कोचिंग: प्रो. डीडी दुबे
- बच्चे अच्छे संस्कार को जीवन में उतारें: कुलसचिव

दैनिक जागरण

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा चलाई जा रही निशुल्क प्रेरणा कोचिंग का सोमवार को देवकली गांव में स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। बच्चों ने इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

विश्वविद्यालय के कुलपति और अधिकारियों को अपने बीच पाकर बच्चे और गांव वाले काफी प्रफुल्लित थे। इस अवसर पर गणित विभाग के विभागाध्यक्ष और प्रेरणा कोचिंग के समन्वयक डॉ राजकुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रेरणा कोचिंग की प्रगति आख्या प्रस्तुत की और कोचिंग के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के

पूर्व कुलपति प्रो डी. डी. दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय के लोगों ने अपनी प्रतिभा को साझेदारी गरीब बच्चों में करके बड़ा ही नेक कार्य किया है। प्रेरणा कोचिंग के छोटे बच्चे देश के भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि प्रेरणा कोचिंग के शिक्षकों की लगनशीलता और सतत रूप परिश्रम से निश्चित रूप से अच्छे नागरिक का निर्माण होगा।

बतौर अध्यक्ष विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि जीवन में मां से बड़ा कोई नहीं होता इसलिए सबसे पहले मां की बात को माननी चाहिए। मां को भी बच्चों को पढ़ाई की ओर ध्यान केंद्रित कराना चाहिए। उन्होंने बच्चों को पढ़ाई की ओर मन केंद्रित करने के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि बच्चे समय का उपयोग कर अपना सभी समय पढ़ाई में लगाएं ताकि वह परिवार, समाज और देश के काम आ सके।

कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि मनुष्य में बचपन की सीख और संस्कार अंतिम तक रहते हैं, इसलिए अच्छी सीख और संस्कार को अपने जीवन में उतारें ताकि समाज और देश के निर्माण में अच्छे ढंग से भागीदारी कर सकें। स्थापना दिवस पर वित्त अधिकारी संजय कुमार राव ने कहा कि शिक्षा का मतलब विद्यार्थियों को सभ्य और सुसंस्कृत नागरिक बनाना है। प्रेरणा कोचिंग इस क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है। इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो.बीबी तिवारी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन कर उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। संचालन कौशलेंद्र कुमार और धन्यवाद ज्ञापन डॉ मनीष कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को कुलपति, कुलसचिव और वित्त अधिकारी ने मेडल पहना कर सम्मानित किया। समारोह में अंजलि यादव, शिवानी यादव, अंशिका की प्रस्तुति को कुलपति ने सराहा। इस अवसर पर प्रो.अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. रवि प्रकाश, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, डॉ मनीष कुमार गुप्ता, डा. प्रेमचंद यादव, डॉ सुनील कुमार, डा. सुधीर कुमार उपाध्याय, सुरेंद्र कुमार सिंह, डा. इंद्रेश कुमार, मैलेश कुमार, अमरजीत कुमार, अभिषेक तिवारी, अमर सिंह, सैय्यद अजमत हुसैन आदि उपस्थित थे।

आइडियल इण्डिया
हिन्दी दैनिक



# आगे बढ़ने के लिए बच्चे पढ़ाई पर दें ध्यान: प्रो. निर्मला एस. मौर्य

-पीयू के शिक्षकों का नेक कार्य है निशुल्क कोचिंग: प्रो. डीडी दुबे -बच्चे अच्छे संस्कार को जीवन में उतारें: कुलसचिव

## शिक्षा का मतलब सभ्य नागरिक बनाना: वित्त अधिकारी

आइडियल इंडिया न्यूज
डा राजेश जैन

जौनपुर । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा चलाई जा रही निशुल्क प्रेरणा कोचिंग का सोमवार को देवकली गांव में स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। बच्चों ने इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विश्वविद्यालय के कुलपति और अधिकारियों को अपने बीच पाकर बच्चे और गांव वाले काफी प्रफुल्लित थे। इस अवसर पर गणित विभाग के विभागाध्यक्ष और प्रेरणा कोचिंग के समन्वयक डॉ राजकुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रेरणा कोचिंग की प्रगति आख्या प्रस्तुत की और कोचिंग के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो डी. डी. दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय के लोगों ने अपनी प्रतिभा की साझेदारी गरीब बच्चों में करके बड़ा ही नेक कार्य किया है। प्रेरणा कोचिंग के छोटे बच्चे देश के भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि प्रेरणा कोचिंग के शिक्षकों की लगनशीलता और सतत रूप परिश्रम से निश्चित रूप से अच्छे नागरिक का निर्माण होना। बतौर अध्यक्ष विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि जीवन में मां से बड़ा कोई नहीं होता इसलिए सबसे पहले मां को बात को माननी चाहिए। मां को भी बच्चों को पढ़ाई की ओर ध्यान केंद्रित कराना चाहिए। उन्होंने बच्चों को पढ़ाई की ओर मन केंद्रित करने के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि बच्चे समय का उपयोग कर अपना सभी समय पढ़ाई में लगाएं ताकि वह परिवार, समाज और देश के काम आ सके। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि मनुष्य में बचपन की सीख और संस्कार अंतिम तक रहते हैं, इसलिए अच्छे सीख और संस्कार को अपने जीवन में उतारें ताकि समाज और देश के निर्माण में अच्छे ढंग से भागीदारी कर सकें। स्थापना दिवस पर वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कहा कि शिक्षा का मतलब विद्यार्थियों को सभ्य और सुसंस्कृत नागरिक बनाना है। प्रेरणा कोचिंग इस क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है। इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. चौबी तिवारी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन कर उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। संचालन कौशलेंद्र कुमार और धन्यवाद ज्ञापन डॉ मनीष कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को कुलपति, कुलसचिव और वित्त अधिकारी ने मेडल पहना कर सम्मानित किया। समारोह में अंजलि यादव, शिवानी यादव, अंशिका की प्रस्तुति को कुलपति ने सराहा। इस अवसर पर प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. रवि प्रकाश, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, डॉ मनीष कुमार गुप्ता, डा. प्रेमचंद यादव, डॉ सुनील कुमार, डा. सुधीर कुमार उपाध्याय, सुरेंद्र कुमार सिंह, डा. इंद्रेश कुमार, मैलेश कुमार, अमरजीत कुमार, अभिषेक तिवारी, अमर सिंह, सैय्यद अजमत हुसैन आदि उपस्थित थे।



# आगे बढ़ने के लिए बच्चे पढ़ाई पर दें ध्यान : प्रो. निर्मला एस. मौर्य

जनसंदेश न्यूज

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा चलाई जा रही निशुल्क प्रेरणा कोचिंग का सोमवार को देवकली गांव में स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। बच्चों ने इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय की कुलपति और अधिकारियों को अपने बीच पाकर बच्चे और गांव वाले काफी प्रफुल्लित थे।

इस अवसर पर गणित विभाग के विभागाध्यक्ष और प्रेरणा कोचिंग के समन्वयक डॉ. राजकुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रेरणा कोचिंग की प्रगति आख्या प्रस्तुत की और कोचिंग के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. डीडी दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय के लोगों ने अपनी प्रतिभा की साझेदारी गरीब बच्चों में करके बड़ा ही नेक कार्य किया है। प्रेरणा कोचिंग के छोटे बच्चे देश के भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि प्रेरणा कोचिंग के शिक्षकों की लगनशीलता और सतत रूप परिश्रम से निश्चित रूप से अच्छे नागरिक का निर्माण होगा। बतौर अध्यक्ष विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि जीवन में मां से बड़ा कोई नहीं होता इसलिए सबसे पहले मां को बात को माननी चाहिए। मां को भी बच्चों को पढ़ाई की ओर ध्यान केंद्रित कराना चाहिए। उन्होंने बच्चों को पढ़ाई की ओर मन केंद्रित करने के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि बच्चे समय का उपयोग कर अपना सभी समय पढ़ाई में लगाएं ताकि वह परिवार, समाज और देश के काम आ सके। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि मनुष्य में बचपन की सीख और संस्कार अंतिम तक रहते हैं, इसलिए अच्छे सीख और संस्कार को अपने जीवन में उतारें ताकि समाज और देश के निर्माण में अच्छे ढंग से भागीदारी कर सकें। स्थापना दिवस पर वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कहा कि शिक्षा का मतलब विद्यार्थियों को सभ्य और सुसंस्कृत नागरिक बनाना है। प्रेरणा कोचिंग इस क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है। इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. चौबी तिवारी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन कर उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। संचालन कौशलेंद्र कुमार और धन्यवाद ज्ञापन डॉ मनीष कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को कुलपति, कुलसचिव और वित्त अधिकारी ने मेडल पहना कर सम्मानित किया। समारोह में अंजलि यादव, शिवानी यादव, अंशिका की प्रस्तुति को कुलपति ने सराहा। इस अवसर पर प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. रवि प्रकाश, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, डा. प्रेमचंद यादव, डॉ. सुनील कुमार, डा. सुधीर कुमार उपाध्याय, सुरेंद्र कुमार सिंह, डा. इंद्रेश कुमार, मैलेश कुमार, अमरजीत कुमार, अभिषेक तिवारी, अमर सिंह, सैय्यद अजमत हुसैन आदि उपस्थित थे।

देवकली गांव में कोचिंग के स्थापना दिवस समारोह को सम्बोधित करती कुलपति

### समारोह

पीयू के शिक्षकों का नेक कार्य है निशुल्क कोचिंग : प्रो. डीडी दुबे

बच्चे अच्छे संस्कार को जीवन में उतारें : कुलसचिव

शिक्षा का मतलब सभ्य नागरिक बनाना : वित्त अधिकारी

# आगे बढ़नेके लिए बच्चे पढ़ाई पर दें ध्यान -प्रो. मौर्य

सरायख्वाजा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा चलाई जा रही निशुल्क प्रेरणा कोचिंग का सोमवार को देवकली गांव में स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। बच्चों ने इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विश्वविद्यालय के कुलपति और अधिकारियों को अपने बीच पाकर बच्चे और गांव वाले काफी प्रफुल्लित थे।

गणित विभाग के विभागाध्यक्ष और प्रेरणा कोचिंग के समन्वयक डा. राजकुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रेरणा कोचिंग की प्रगति आख्या प्रस्तुत की और कोचिंग के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. डी.डी. दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय के लोगों ने अपनी प्रतिभा की साझेदारी गरीब बच्चों में करके बड़ा ही नेक कार्य किया है। बतौर अध्यक्ष विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि जीवन में मां से बड़ा कोई नहीं होता, इसलिए सबसे पहले मां की बात को माननी चाहिए। मां को भी बच्चों को पढ़ाई की ओर ध्यान केंद्रित कराना चाहिए। उन्होंने बच्चों को पढ़ाई की ओर मन केंद्रित करने के उपाय बताए।

**प्रेरणा कोचिंगका देवकली गांवमें स्थापना दिवस समारोह**

कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि मनुष्य में बचपन की सीख और संस्कार अंतिम तक रहते हैं, इसलिए अच्छी सीख और संस्कार को अपने जीवन में उतारें ताकि समाज और देश के निर्माण में अच्छे ढंग से भागीदारी कर सकें। वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कहा कि शिक्षा का मतलब विद्यार्थियों को सभ्य और सुसंस्कृत नागरिक बनाना है। इस अवसर पर प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. रवि प्रकाश, डा. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, डा. मनीष कुमार गुप्ता, डा. प्रेमचंद यादव आदि उपस्थित रहे।

## शिक्षण सामाग्री पाकर चहक उठे बच्चे

सरायख्वाजा। कुलाधिपति के निर्देश पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए देवकली गाँव के बस्ती का पूरा, आंगनबाड़ी केंद्र पर कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने 100 बच्चों को शिक्षण सामग्री एवं मिष्ठान का वितरण किया। कुलपति ने बच्चों को खूब मन लगाकर पढ़ने के लिए प्रेरित किया। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने बच्चों को संबोधित करते हुए उन्हें बड़ा होकर नेक इंसान बनने का आह्वान किया। शिक्षक संघ के महामंत्री डा. राहुल सिंह ने भी बच्चों को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर राकेश कुमार यादव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन समन्वयक डा. राज बहादुर यादव ने किया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका मिथिलेश शर्मा, सहायक अध्यापिका अर्चना यादव, रिंका यादव, स.अ. जीतेंद्र कुमार यादव, शिक्षा मित्र दयानाथ, आंगनबाड़ी रेखा मिश्रा, गौरी मिश्रा, अनीता यादव, कार्यक्रम अधिकारी डा. विनय कुमार वर्मा, निजी सचिव डा. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, प्रबंधक मुन्ना यादव, अजय यादव, आलोक मौर्य, विजय, संदीप गुडडू, प्रियांशु प्रधान, हर्ष साहू, रिंसू सिंह सहित एनएसएस के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

# आगे बढ़ने के लिए बच्चे पढ़ाई पर दें ध्यान : प्रो. निर्मला एस मौर्य

**जौनपुर।** वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा चलाई जा रही नि:शुल्क प्रेरणा कोचिंग का सोमवार को देवकली गांव में स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। बच्चों ने इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विश्वविद्यालय के कुलपति और अधिकारियों को अपने बीच पाकर बच्चे और गांव वाले काफी प्रफुल्लित थे।

इस अवसर पर गणित विभाग के विभागाध्यक्ष और प्रेरणा कोचिंग के समन्वयक डॉ. राजकुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रेरणा कोचिंग की प्रगति आख्या प्रस्तुत की और कोचिंग के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. डीडी दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय के लोगों ने अपनी प्रतिभा की साझेदारी गरीब बच्चों में करके बड़ा ही नेक कार्य किया है।

प्रेरणा कोचिंग के छोटे बच्चे देश के भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि प्रेरणा कोचिंग के शिक्षकों की लगन शीलता और सतत रूप परिश्रम से निश्चित रूप से अच्छे नागरिक का निर्माण होगा। बतौर अध्यक्ष विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि जीवन में मां से बड़ा कोई नहीं होता इसलिए सबसे पहले मां की बात को माननी चाहिए। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि मनुष्य में बचपन की सीख और संस्कार अंतिम तक रहते हैं, इसलिए अच्छी सीख और संस्कार को अपने जीवन में उतारें ताकि समाज और देश के निर्माण में अच्छे ढंग से भागीदारी कर सकें। स्थापना दिवस पर वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कहा कि शिक्षा का मतलब विद्यार्थियों को सभ्य और सुसंस्कृत नागरिक बनाना है। प्रेरणा कोचिंग इस क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है। इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो.बीबी तिवारी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन कर उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। संचालन कौशलेंद्र कुमार और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मनीष कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को कुलपति, कुलसचिव और वित्त अधिकारी ने मेडल पहना कर सम्मानित किया।

# मासिक समीक्षा बैठक आठ को

**जौनपुर।** अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान ने अवगत कराया है कि जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में 08 फरवरी को अपरान्ह 04.00 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में कर-करेत्तर कार्य, राजस्व कार्य, सग्रह कार्य, भूमि सुधार कार्य, भू-अभिलेख कार्य एवं अन्य राजस्व कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गयी है। उक्त बैठक में कोर्ट केसेज, विभिन्न आयोग के सन्दर्भ, आईजीआरएस /जनता दर्शन, मानवाधिकार आयोग/जांच तथा आनलाईन सर्विसेज की भी समीक्षा की जायेगी।

# आगे बढ़ने के लिए बच्चे पढ़ाई पर दें ध्यान : प्रो. निर्मला

संवाद न्यूज एजेंसी

**करंजाकला।** वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों की ओर से चलाए जा रहे निशुल्क प्रेरणा कोचिंग का सोमवार को देवकली गांव में स्थापना दिवस मनाया गया। जहां बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

गणित के विभागाध्यक्ष और प्रेरणा कोचिंग के समन्वयक डॉ. राजकुमार ने प्रगति आख्या प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति प्रो. डीडी दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय के लोगों ने अपनी प्रतिभा की साझेदारी गरीब बच्चों में करके बड़ा अच्छा कार्य किया है।

देवकली गांव में निशुल्क प्रेरणा कोचिंग के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बोलतीं कुलपति प्रो निर्मला एस मौर्या। संवाद

बतौर अध्यक्ष विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि जीवन में मां से बड़ा कोई नहीं होता इसलिए सबसे पहले मां की बात को माननी चाहिए। मां को भी बच्चों को पढ़ाई की ओर ध्यान केंद्रित कराना चाहिए।

कहा कि बच्चे समय का उपयोग कर अपना सभी समय पढ़ाई में लगाएं ताकि वह परिवार, समाज और देश के काम आ सके।

## आंगनबाड़ी के बच्चों में वितरित की शिक्षण सामग्री

**जौनपुर।** वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस मौर्य ने गोद लिए गए देवकली गांव के बल्ली का पूरा आंगनबाड़ी केंद्र पर 100 बच्चों को शिक्षण सामग्री एवं मिष्ठान का वितरण किया। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने उन्हें बड़ा होकर नेक इंसान बनने का आह्वान किया। शिक्षक संघ के महामंत्री डॉ. राहुल सिंह ने बच्चों मन लगाकर पढ़ाई करने की बात कही। संचालन प्रो. राकेश कुमार यादव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन समन्वयक डॉ. राज बहादुर यादव ने किया। इस अवसर मौके पर प्रधानाध्यापिका मिथिलेश शर्मा, सहायक अध्यापिका अर्चना यादव, रिंका यादव, जीतेंद्र कुमार यादव, शिक्षा मित्र दयानाथ, रेखा मिश्रा, गौरी मिश्रा, अनीता यादव, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विनय कुमार वर्मा व रिंसू सिंह आदि उपस्थित रहे। संवाद

कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो.बीबी तिवारी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन कर उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर प्रो.अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. रवि प्रकाश, डा. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, डा मनीष कुमार गुप्ता, डा. प्रेमचंद आदि उपस्थित रहे।

# बच्चे पढ़ाई पर दें ध्यान : प्रो. निर्मला

**जौनपुर ।** वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा चलाई जा रही निशुल्क प्रेरणा कोचिंग का सोमवार को देवकली गांव में स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। बच्चों ने इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विश्वविद्यालय के कुलपति और अधिकारियों को अपने बीच पाकर बच्चे और गांव वाले काफी प्रफुल्लित थे। इस अवसर पर गणित विभाग के विभागाध्यक्ष और प्रेरणा कोचिंग के समन्वयक डॉ राजकुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रेरणा कोचिंग की प्रगति आख्या प्रस्तुत की और कोचिंग के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो डी. डी. दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय के लोगों ने अपनी प्रतिभा की साझेदारी गरीब बच्चों में करके बड़ा ही नेक कार्य किया है। प्रेरणा कोचिंग के छोटे बच्चे देश के भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि प्रेरणा कोचिंग

के शिक्षकों की लगनशीलता और सतत रूप परिश्रम से निश्चित रूप से अच्छे नागरिक का निर्माण होगा। बतौर अध्यक्ष विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि जीवन में मां से बड़ा कोई नहीं होता इसलिए सबसे पहले मां की बात को माननी चाहिए। मां को भी बच्चों को पढ़ाई की ओर ध्यान केंद्रित कराना चाहिए। उन्होंने बच्चों को पढ़ाई की ओर मन केंद्रित करने के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि बच्चे समय का उपयोग कर अपना सभी समय पढ़ाई में लगाएं ताकि वह परिवार, समाज और देश के काम आ सके।

शिक्षा

देवकली गांव में निशुल्क प्रेरणा कोचिंग का मनाया गया स्थापना दिवस

# आगे बढ़ने के लिए बच्चे पढ़ाई पर दें ध्यान : प्रो. निर्मला

संवाद न्यूज एजेंसी

**करंजाकला।** वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों की ओर से चलाए जा रहे निशुल्क प्रेरणा कोचिंग का सोमवार को देवकली गांव में स्थापना दिवस मनाया गया। जहां बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

गणित के विभागाध्यक्ष और प्रेरणा कोचिंग के समन्वयक डॉ. राजकुमार ने प्रगति आख्या प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति प्रो. डीडी दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय के लोगों ने अपनी प्रतिभा की साझेदारी गरीब बच्चों में करके बड़ा अच्छा कार्य किया है।

देवकली गांव में निशुल्क प्रेरणा कोचिंग के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बोलतीं कुलपति प्रो निर्मला एस मौर्या। संवाद

बतौर अध्यक्ष विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि जीवन में मां से बड़ा कोई नहीं होता इसलिए सबसे पहले मां की बात को माननी चाहिए। मां को भी बच्चों को पढ़ाई की ओर ध्यान केंद्रित कराना चाहिए।

कहा कि बच्चे समय का उपयोग कर अपना सभी समय पढ़ाई में लगाएं ताकि वह परिवार, समाज और देश के काम आ सके। कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो.बीबी तिवारी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन कर उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर प्रो.अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. रवि प्रकाश, डा. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, डा मनीष कुमार गुप्ता, डा. प्रेमचंद आदि उपस्थित रहे।

## आंगनबाड़ी के बच्चों में वितरित की शिक्षण सामग्री

**जौनपुर।** वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस मौर्य ने गोद लिए गए देवकली गांव के बल्ली का पूरा आंगनबाड़ी केंद्र पर 100 बच्चों को शिक्षण सामग्री एवं मिष्ठान का वितरण किया। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने उन्हें बड़ा होकर नेक इंसान बनने का आह्वान किया। शिक्षक संघ के महामंत्री डॉ. राहुल सिंह ने बच्चों मन लगाकर पढ़ाई करने की बात कही। संचालन प्रो. राकेश कुमार यादव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन समन्वयक डॉ. राज बहादुर यादव ने किया। इस अवसर मौके पर प्रधानाध्यापिका मिथिलेश शर्मा, सहायक अध्यापिका अर्चना यादव, रिंका यादव, जीतेंद्र कुमार यादव, शिक्षा मित्र दयानाथ, रेखा मिश्रा, गौरी मिश्रा, अनीता यादव, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विनय कुमार वर्मा व रिंसू सिंह आदि उपस्थित रहे। संवाद

# आगे बढ़ने के लिए बच्चे पढ़ाई पर दें ध्यान: प्रो. निर्मला एस. मौर्य

जौनपुर । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा चलाई जा रही निशुल्क प्रेरणा कोचिंग का सोमवार को देवकली गांव में स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। बच्चों ने इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विश्वविद्यालय के कुलपति और अधिकारियों को अपने बीच पाकर बच्चे और गांव वाले काफी प्रफुल्लित थे। इस अवसर पर गणित विभाग के विभागाध्यक्ष और प्रेरणा कोचिंग के समन्वयक डॉ राजकुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रेरणा कोचिंग की प्रगति आख्या प्रस्तुत की और कोचिंग के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो डी. डी. दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय के लोगों ने अपनी प्रतिभा की साझेदारी गरीब बच्चों में करके बड़ा ही नेक कार्य किया है। प्रेरणा कोचिंग के छोटे बच्चे देश के भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि प्रेरणा कोचिंग के शिक्षकों की लगनशीलता और सतत रूप परिश्रम से निश्चित रूप से अच्छे नागरिक का निर्माण होगा।इस अवसर पर प्रो.अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. रवि प्रकाश, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, डॉ मनीष कुमार गुप्ता, डा. प्रेमचंद यादव, डॉ सुनील कुमार, डा. सुधीर कुमार उपाध्याय, सुरेंद्र कुमार सिंह, डा. इंद्रेश कुमार, मैलेश कुमार, अमरजीत कुमार, अभिषेक तिवारी, अमर सिंह, सैय्यद अजमत हुसैन आदि उपस्थित थे।